एक बाबा सिर्फ*

एक बाबा की सिर्फ दिल से जो लगाता धुन
मिट जाते उसके कलह -क्लेश सारे अवगुण
परमपिता की शाक्तियाँ गुणों से हो जाता भरपूर
माया के वार से भी बचता हो जाता चतुर
रूहानी योद्धा बन असुरों को करता चूर -चूर
विजयी बन विश्व के आगे होता वो मशहूर
बन जाता फिर बापदादा के नैनो का नूर
मंजिल,ठिकाना जिसके निश्चय से रहे न दूर
मस्तक पर स्मृति चमकती जैसे अविनाशी सिंदूर
पास विद हॉनर हो बनता फिर सम्पूर्ण
देता सबको सुख शांति आनंद का सुकून
रहता न कभी किसी प्राप्ति में अपूर्ण
एक नज़र से निहाल करने वाला उसका सुरूर
परमपिता परमात्मा का वो महावीर शूर
रहता सदा मीठा सिकेलधा बच्चा होता उनको गुरुर
लक्ष्य लक्षण में समान रहता तो जीतेगा जरूर
एक बाबा में सिर्फ उसकी बुद्धि रहती यही उसकी हुनुर

ॐ शांति!!